

न्यायालय श्रीमान राजस्व मंडल ग्वालियर कैंप भोपाल

22-1-902-80276



मेसर्स पुण्यशिला आटो मोबाईल

इब्राहिम चौक होशंगाबाद

मार्फत-भागीदार प्रीतमसिंह रघुवंशी

आ.हजारीलाल रघुवंशी, निवासी होशंगाबाद

तह. व. जिला होशंगाबाद.....आवेदक

बनाम

1. म.प्र.राज्य मार्फत-

कलेक्टर महोदय होशंगाबाद.

2. कलेक्टर आफ स्टाम्प एवं

पंजीयक महोदय होशंगाबाद

कलेक्टर कार्यालय होशंगाबाद.....अनावेदकगण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35 (3) म.प्र.भू.रा.संहिता

आवेदक की ओरसे निम्न निवेदन है:-

1. यह कि आवेदक के द्वारा धारा 56 भारतीय स्टाम्प अधिनियम के अंतर्गत पुनरीक्षण याचिका माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गयी थी जो कि अदम पैरवी में निरस्त कर दी गयी ।

2. यह कि आवेदक के अधिवक्ता के द्वारा प्रकरण निरस्ती दिनोंक को ही एक आवेदन पत्र प्रकरण को पुनः नंबर पर कायम किये जाने वास्ते प्रस्तुत किया गया । जिसे माननीय न्यायालय के द्वारा तर्क श्रवण करने के उपरांत 500/- रुपये परिव्यय पर स्वीकार किया गया था ।

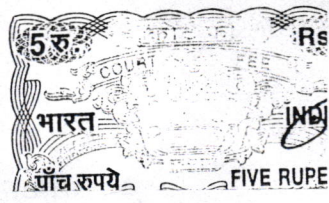
3. यह कि आवेदक के अधिवक्ता की ओर से आवेदन पत्र भोपाल कैंप में प्रस्तुत किये जाने के कारण उक्त आवेदनपत्र पर तत्काल आदेश पारित नहीं हो सका और कैंप छुलने होने के कारण प्रकरण राजस्व

न्यायालय के द्वारा प्रकरण को पुनः नंबर पर कायम किया गया था ।

16/1/16

4/8/16

Handwritten signature



न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक स्थान तथा दिनांक 2-3-2017

रेस्टोरेशन 9042-पीबीआर/16 [फ.पुण्यशिला/कामल] जिला होशंगाबाद

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर

2-3-2017

आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। यह रेस्टोरेशन आवेदन इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 13-2-15 के विरुद्ध दिनांक 4-8-16 को लगभग 16 माह से भी अधिक विलम्ब से प्रस्तुत किया गया है तथा अवधि विधान की धारा 5 के आवेदन में विलम्ब का कारण आदेश की जानकारी न होना बताया है, जो समाधानकारक मान्य नहीं किया जा सकता है। अतः यह रेस्टोरेशन आवेदन अवधि बाह्य होने से अग्राह्य किया जाता है।

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
(मनोज गोयल)
अध्यक्ष